संवाद पत्र पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 29 वर्ष : अष्टम त्रैमासिक जनवरी, 2014

महाप्रबंधक का नव वर्ष संदेश

सर्वप्रथम मैं, पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नव वर्ष, 2014 की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता की पहचान उसकी भाषा, संस्कृति एवं सामाजिक स्तर से होती है। हमारा देश बहुभाषी एवं बहु-संस्कृति की सामासिक चेतना से ओत-प्रोत है। बहु-सांस्कृतिक संस्कृति को संजोकर रखने में 'भारतीय रेल भाषिक संपर्क सेतु' के रूप में राजभाषा हिंदी के माध्यम से सांस्कृतिक एकता को एकसूत्र में बांधे हुए हैं। भारतीय रेल जनता के सीधे संपर्क में है। यह राष्ट्रीय सांस्कृतिक एकता का वाहक है जो विभिन्न प्रांतों के विभिन्न भाषा-भाषी लोगों के बीच आपसी सौहार्द स्थापित कर राष्ट्रीय अखंडता को मजबूती प्रदान करती है।

राजभाषा विभाग, पू.सी. रेल, निर्माण संगठन द्वारा राजभाषा के प्रचार-प्रसार में संवाद पत्र का प्रकाशन एक सार्थक प्रयास है जो 29 वें अंक के साथ अष्टम वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इस पत्रिका के माध्यम से हम पूर्वोत्तर राज्यों की विभिन्न परियोजनाओं के क्रियाकलापों एवं उनके विकासोन्मुखी गतिविधियों से अवगत होने के साथ ही संगठन के प्रबुद्ध अधिकारियों, कर्मचारियों के हृदय पटल पर अंकुरित रचनात्मक अंकुरण को सींच कर पल्लवित करते हैं।

अतिरिक्त सदस्य (वर्क्स) रेलवे बोर्ड, द्वारा समीक्षा बैठक

दिनांक 09-10-2013 को अतिरिक्त सदस्य (वर्क्स) रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र की रेल परियोजनाओं की आधारभूत संरचनाओं पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

नए अधिकारी विश्रामालय का उदघाटन

श्री आर.के. सिंह, महाप्रबंधक/नि, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने दिनांक 08.11.2013 को गैंगटोक में नव निर्मित अधिकारी विश्रामालय का उद्घाटन किया।

पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण का आदर्श

हम अपने रास्ते खुद बनाते हैं, मंजिल को अपने करीब लाते हैं
काम मुश्किल है तो क्या हुआ, असम्भव को भी सम्भव कर दिखाते हैं।

- महाप्रबंधक/नि

रेल संरक्षा आयुक्त का निरीक्षण

6 तथा 7 नवंबर 2013 को रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत रंगिया-रंगापाड़ा एवं रंगापाड़ा-डेकारगांव सेक्शनों का निरीक्षण किया गया।

भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का 57 वॉं महापरिनिर्वाण दिवस समारोह

भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के 57 वॉं महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर 06 दिसंबर, 2013 को पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन मुख्यालय के मुख्य भवन के प्रांगण में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर निर्माण संगठन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के लिए उनके योगदान को याद किया।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्री राजेश कुमार सिंह	श्री आनन्द प्रकाश	श्री एस.जे.मंडल	श्रीमती रंजु झा
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि.	वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी/नि.

संगाय महोत्सव, 2013

दिनांक 21.11.2013 से 30.11.2013 तक मणिपुर के इंफाल में आयोजित संगाय महोत्सव में पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण संगठन ने भी भाग लिया। उत्सव में संगठन द्वारा स्थापित रेल पेविलियन में निर्माणाधीन 84 कि.मी. लम्बी जिरिबाम-तुपुल रेल तथा इंफाल तक 27 कि.मी. विस्तार को पर्याप्त मान चित्रों, फोटो तथा संबंधित विवरणों के साथ प्रदर्शित किया गया। इस परियोजना के निर्माण के बारे में रेल अधिकारियों द्वारा आगन्तुकों को विस्तारपूर्वक समझाया गया। लोगों ने समझा कि किन जटिल परिस्थितियों में भी संगठन अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा इस भू-भाग को रेल के मान चित्र में लाने के लिए अपना कर्त्तव्य पालन कर रहा है, जिसमें विश्व के सबसे ऊँचे पुल का कार्य भी समाहित है।

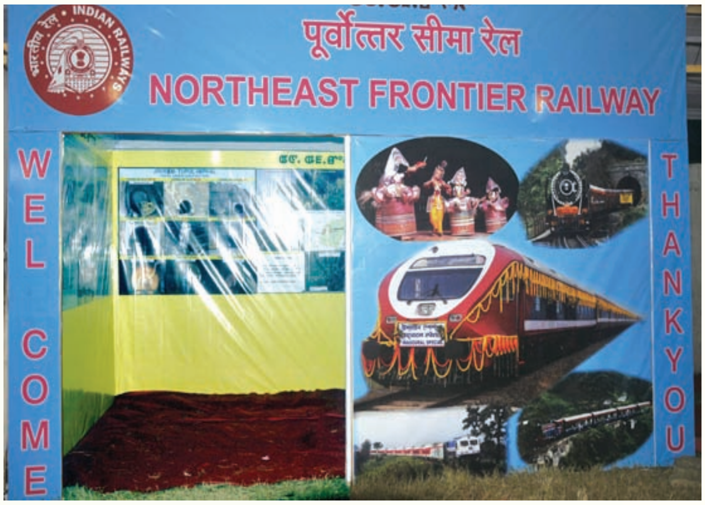

जिरिबाम-तुपुल के बीच कुल 6 स्टेशन होंगे- धोलाखाल, कायमाई रोड, कंबीरॉन, ठींगगाउ, खोंगसेंग तथा नोनी। इस परियोजना को वर्ष 2016 में पूरा कर लेने का लक्ष्य है तथा तुपुल-इंफाल को वर्ष 2018 तक पूरा कर लेने का लक्ष्य रखा गया है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

दिनांक 28-10-2013 से 02-11-2013 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया जिसकी शुरूआत मुख्यालय एवं फील्ड यूनिटों में निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुई। इस अवसर पर दिनांक 28-10-2013 को संगठन के परिसर में श्री आर. के. सिंह, महाप्रबंधक/निर्माण ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता जागरूकता की शपथ दिलाई।

इसी दिन निर्माण संगठन के मुख्यालय प्रांगण में पू. सी. रेल (ओपन लाइन) के रेलकर्मी कलाकारों द्वारा सतर्कता जागरूकता पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसका सभी उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भरपूर आनंद उठाया और इसकी सराहना भी की।

जब आप अपने मित्रों का चयन करते हैं तो चरित्र के स्थान पर व्यक्तित्व को न चुनें।

- डब्ल्यू सोमरसेट मोघन

मुख्य राजभाषा अधिकारी तथा उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/निर्माण का पदस्थापन

श्री हरपाल सिंह, मुराधि तथा मुख्य इंजीनियर -VIII / निर्माण का कार्यकाल दिनांक 06.01.2014 को समाप्त होने पर श्री आनंद प्रकाश, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि/1 ने दिनांक 07.01.2014 को मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि का पदभार ग्रहण किया।

श्री पी.के. सिंह, उप मुराधि तथा उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/नि के पदोन्नति पर पू.सी. रेल, ओपन लाइन में मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रशासन के पद पर स्थानांतरण होने के पश्चात श्री एस.जे.मंडल, उप मुख्य इंजीनियर/नि ने उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि का अतिरिक्त पदभार ग्रहण किया।

स्थानांतरण /पदस्थापन

श्री एम.आर. चौधरी, मुख्य इंजीनियर/नि/6 का दिनांक 21.10.2013 को सीटीई के पद पर पू.सी.रेल, ओपन लाइन में स्थानांतरण हुआ।

श्री बी.अशोक, (एसएजी/आईआरएसई), सीटीई/पू.सी. रेल, मालीगांव दिनांक 21.10.2013 को मुख्य इंजीनियर/नि/6 के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री एस.के. बर्नवाल, उप मुख्य इंजीनियर/नि/डीबीआरटी/2 का दिनांक 04.12.2013 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/लामडिंग-1 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री ए.के. दास, उप मुख्य इंजीनियर/नि/ लामडिंग-1 का दिनांक 04.12.2013 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/लामडिंग-4 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री आर.के. बादल, उप मुख्य इंजीनियर/नि/जोगीघोपा का दिनांक 04.12.2013 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/एनजेपी के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री जे.पी. सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/नि/एनजेपी का दिनांक 04.12.2013 को उत्तर मध्य रेलवे पर स्थानांतरण हुआ।

श्री सुरेंद्र कुमार, डीईएन/गुवाहाटी पदोन्नति पर दिनांक 04.12.2013 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/जिरिबाम-2 के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री रवि आमरोही, उप मुख्य इंजीनियर/नि/सुरंग का दिनांक 04.12.2013 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/सामान्य-1 के पद पर स्थानांतरण हुआ।

श्री सुशील कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/नि/ सामान्य-1 का दिनांक 04.12.2013 को उत्तर रेलवे पर स्थानांतरण हुआ।

श्री सजल चंद्र राय, मंडल बिजली इंजीनियर/नि/मालीगांव दिनांक 04.12.2013 को पदोन्नति पर उप मुख्य बिजली इंजीनियर/नि/ मालीगांव के पद पर पदस्थापित हुए।

श्री राम सूरत सिंह, उप मुख्य बिजली इंजीनियर/नि/एनजेपी का दिनांक 10.12.2013 को डीएलडब्ल्यू/वाराणसी में स्थानांतरण हुआ।

श्री एच.टावना, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक/नि/मालीगांव का दिनांक 12.12.2013 को तीन वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति पर मिजोरम सरकार के अंतर्गत स्थानांतरण हुआ।

श्री प्रमोद कुमार, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर दिनांक 21.12.2013 को उप मुख्य इंजीनियर/नि/जोगीघोपा के पद पर पदस्थापित हुए।

प्यार कभी निष्फल नहीं होता, चरित्र कभी नहीं हारता तथा धैर्य और दृढ़ता से सपने अवश्य सच हो जाते हैं।

-पीट मेराविच

भाषावार भारत के क्षेत्रों का वर्गीकरण

क्षेत्र 'क'	क्षेत्र 'ख'	क्षेत्र 'ग'
1. बिहार 2. झारखंड 3. हरियाणा 4. हिमाचल प्रदेश 5. मध्य प्रदेश 6. छत्तीसगढ़ 7. राजस्थान 8. उत्तर प्रदेश 9. उत्तराखंड 10. दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र 11. अंडमान निकोबार द्वीप समूह	1. गुजरात 2. महाराष्ट्र 3. पंजाब 4. चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र	'क' एवं 'ख' क्षेत्रों में उल्लिखित राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों को छोड़कर सभी राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र। (All states and Union Territories not included in Region-A and Region-B)

शब्द ज्ञान

Confirmation Order	स्थायीकरण आदेश
Consent	सहमति
Confidential	गोपनीय
Effective	प्रभावी, कारगर
Emoluments	परिलब्धियाँ
essential qualification	अनिवार्य अर्हता
Errata	शुद्धि पत्र
Feasibility	साध्यता
High priority	उच्च प्राथमिकता
Handover	सौंपना

बधाई

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 मार्च, श्री बाबू लाल सोलंकी. मु.सि.एवं दूरसंचार इंजी./नि/2
01 मार्च, श्री रंजीत दास, उप मुख्य इंजी./नि/डीएमभी
02 मार्च, श्री जे.के. चौधरी, उप मुख्य इंजी./नि/सिलचर-4
04 मार्च, श्री पुलक चक्रवर्ती, उप मुख्य सि.एवं दूरसंचार इंजी./नि/लामडिंग
06 मार्च, श्री ए.के.दास, उप मुख्य इंजी./नि/लामडिंग/1
08 मार्च, श्री पी.जे.शर्मा, उप मुख्य इंजी./नि/एनएलपी
10 मार्च, श्री जे.पी. वर्मा, मुख्य इंजी./नि/3
15 मार्च, श्री आर.के. सिंह, महाप्रबंधक/नि
20 मार्च, फाउद महमुद, वि.स. एवं मुलेधि/नि
28मार्च, श्री भावनबेन मकवाना, उ.वि.स. एवं मुलेधि/नि/लामडिंग/3

वर्ष 2013-14 के लिए लक्ष्य निर्धारित कार्य

- हारमुति-नहरलागुन नई लाइन
- दुधनोई-मेंदीपथार नई लाइन
- नॉर्थ लखीमपुर-मुकोंगसेलेक आमान परिवर्तन
- आमबाड़ी-फालाकाटा-बेलाकोबा दोहरीकरण
- रंगिया-मुकोंगसेलेक आमान परिवर्तन

वित्तीय निष्पादन

2012-13 में निष्पादन

- खर्च = 2843.74 करोड़ रुपये

2013-14 के लिए परिव्यय

- मांग-16 रेलवे = 2892.29 करोड़ रुपये

डीईपी = 70.00 करोड़ रुपये

कुल = 2962.29 करोड़ रुपये

2013-14 में परिव्यय

- दिसंबर, 13 के दौरान खर्च = 215.36 करोड़ रुपये
- दिसंबर, 13 तक संचयी खर्च = 2303.08 करोड़ रुपये

परिव्यय का खर्च (%) = 77.75 %

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

स्टेशन/सेक्शन का नाम	कार्य	पूरा करने का महीना
रंगापाड़ा नॉर्थ डेकारगांव, बिंदुकुरी तथा न्यू मिसामारी स्टेशन	सभी कार्य पूरा करके स्टेशनों को चालू कर दिया गया है	अक्तूबर ,2013
रंगिया-डेकारगांव सेक्शन में	यूटीएस का कार्य पूरा किया गया	नवंबर, 2013
सिलिगुड़ी-आलुवाबाड़ी सेक्शन में	बीपीएसी का कार्य पूरा किया गया	दिसंबर, 2013
रंगिया तथा न्यू बंगाईगांव स्टेशन में	आईपीआईएस (एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली) चालू किया गया	दिसंबर, 2013

वर्कशॉप

कार्य	प्रगति	लक्ष्य
न्यू बंगाईगांव-वर्कशॉप आरसीसी बाउंडरी वॉल	100%	कार्य पूरा किया गया।
सिलिगुड़ी जंक्शन डीज़ल शेड-100 लोकोमेटिव को रखने के लिए डीज़ल लोकोशेड का विस्तार	100%	कार्य पूरा किया गया।
सिलिगुड़ी जंक्शन-डीज़ल बहुउद्देशीय यूनिट कारशेड के साथ रेल कार रख-रखाव की सुविधा	100%	कार्य पूरा किया गया।
	100%	कार्य पूरा किया गया।

सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति
1.	इंम्फाल से मोरेह	2012-13	मणिपुर	100%
2	सायरंग से बिछुआ	2013-14	मिजोरम	45%
3	पानीसागर से सिमनापुर	2013-14	त्रिपुरा	45%
4	पाथरकांदी से कानमुम	2013-14	असम तथा मिजोरम	45%
5	न्यू मैनागुड़ी से गुमानीहाट	2012-13	पश्चिम बंगाल	100%
6	तेजनारायणपुर से साहेबगंज	2012-13	बिहार	80%

दुर्गम शिखर या ब्रह्मपुत्र का हो विस्तार
पूर्वोत्तर की आशाएं हमारे संकल्प का आधार।
रेल के रास्तों का ऐसा करेंगे हम निर्माण
जन-जन की संतुष्टि जिसका देगी प्रमाण ।।

- पूर्वोत्तर सीमा रेल/ निर्माण

संभव की सीमा जानने का केवल
एक ही तरीका है
असंभव से भी आगे निकल जाना !

-स्वामी विवेकानंद

राष्ट्रीय परियोजनाएं

बालीपाड़ा-भालुकपोंग फिंगर लाइन सहित रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन (कुल-512 कि.मी.) रंगिया-रंगापाड़ा नॉर्थ-डेकारगांव (145 कि.मी.) (फेज-I)

रंगिया-रंगापाड़ा नॉर्थ-डेकारगांव (145 कि.मी.) सेक्शन दिनांक 04-01-2014 को यात्री यातायात के लिए चालू किया गया। रंगापाड़ा नॉर्थ-नॉर्थ लखीमपुर (172 कि.मी.) (फेज-II) संपूर्ण रंगापाड़ा नॉर्थ-नॉर्थ लखीमपुर (172 कि.मी.) सेक्शन के लिए ट्रैक लिंकिंग का कार्य पूरा किया गया तथा दिनांक 24 से 26 मार्च, 2013 को इंजन चलाया गया। मुख्यालय (ओपन लाइन) द्वारा सभी यार्डों की ईएसपी अनुमोदित की गई। कुल 7 आरओबी में से 6 अदद आरओबी पर कार्य प्रगति पर है। असम सरकार के पी डब्ल्यू डी (एनएच) से आरओबी 16ए के लिए जीएडी पर अनुमोदन अपेक्षित है। नॉर्थ लखीमपुर से मुर्कोंगसेलेक सेक्शन (154 कि.मी.) (फेज-III): लक्ष्य मार्च, 2014 (इंजन चलाया गया)

लमडिंग-बदरपुर-सिलचर, अरूणाचल-जिरिबाम तथा बदरपुर-कुमारघाट आमान परिवर्तन (377.56 कि.मी.) और बरईग्राम-दुल्लभछेरा (29.4 कि.मी.), करीमगंज-मैशासन (10.3 कि.मी) और करीमगंज बाईपास लाइन (3.0 कि.मी.) का आमान परिवर्तन हेतु सामग्री आशोधन (कुल-420.26 कि.मी.)

दिसंबर, 2013 के दौरान 0.22 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण पूरा किया गया। 3.39 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य पूरा किया गया। 2.7 कि.मी. फॉर्मेशन पूरा किया गया। 4 अदद छोटे पुलों का कार्य पूरा किया गया। बड़े पुलों के 1 अदद उप संरचना पूरा किया गया। 83.8 आर एम सुरंग पूरा किया गया। 74 आर एम कट एंड कवर पूरा किया गया। 14167 क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति पूरी की गई। 4.35 कि.मी. ट्रैक लिंकिंग (मुख्य लाइन) कार्य पूरा किया गया। संचयी प्रगति- भूमि अधिग्रहण = 94.57% (580.83/614.14 हेक्टेयर)। भू-कार्य = 94.37% (704.536/746.53 लाख क्यूबिक मीटर)। फॉर्मेशन = 83.75% (351.16/420.21 कि.मी.) बड़े पुल। उपसंरचना = 89.21% (91/102 अदद)। अधिसंरचना = 79.71% (110/138 अदद)। छोटे पुल = 85.49% (619/724 अदद)। सुरंग = 76.61% (7898.8/10310 आर एम) (17 में से 12 अदद पूरे किए गए)। कट एंड कवर = 86.2% (1606/1863 आर एम)। ट्रैक लिंकिंग = 60.16% (252.8/420.21 कि.मी.)।

अगरतला-सबरूम नई लाइन (114.39 कि.मी.)

दिनांक 28-01-2013 को राज्य सरकार को उदयपुर-सबरूम सेक्शन के लिए 172.856 हेक्टेयर वन भूमि के लिए प्रस्ताव पेश किया गया जिसे बाद में दिनांक 15-02-13 को अनुमोदन हेतु एमओईएफ, नई दिल्ली को प्रस्तुत किया गया। दिनांक 9/10 मई, 13 को आयोजित एफएसी बैठक की टिप्पणी को राज्य सरकार, त्रिपुरा द्वारा अनुपालन किया गया तथा 29-06-13 को एमओईएफ/दिल्ली अनुवर्ती कार्रवाई के लिए भेज दिया गया। दिनांक 23-09-13 को माननीय वनमंत्री, त्रिपुरा सरकार के साथ एक बैठक किया गया था तथा उन्होंने प्रारम्भिक अनुमोदन के लिए अगले एफएसी बैठक से पहले एमओईएफ, नई दिल्ली के 172.856 हेक्टेयर वनभूमि के विषय को उठाने के लिए आग्रह किया था। वर्तमान में, यह प्रस्ताव वन्य प्राणी के लिए राष्ट्रीय बोर्ड के अनुमोदन मांगने के लिए एमओईएफ/नई दिल्ली तथा वन्य प्राणी अभ्यारण्य के अधीन 9.94 हेक्टेयर वन भूमि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थगित रखा गया है।

जिरिबाम-तुपुल नई लाइन (110.625 कि.मी.)

जिरिबाम-धोलाखाल (12.0 कि. मी.) सेक्शन पूरा किया गया और दिनांक 22-03-2012 को इंजन चलाया गया।

सेक्शन में 2 अदद सुरंग पूरा किया गया। दिसंबर, 2013 के दौरान - 6.76 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य पूरा किया गया। 928.32 आर एम सुरंगीकरण कार्य पूरा किया गया। भूमि अधिग्रहण =96.52% (1263.30/1308.80 हेक्टेयर) भू-कार्य=83.18% (435.79/523.89 लाख क्यूबिक मीटर) फॉर्मेशन=18.07% (13.2/73.04 कि.मी.) बड़े पुल उपसंरचना = शून्य अधिसंरचना = शून्य । छोटे पुल=29.46% (33/112 अदद)। सुरंग कार्य=34.43% (13531.60/39301 आर एम)। कट एवं कवर = शून्य। ट्रैक लिंकिंग=14.33% (12/83.70 कि.मी.) संपूर्ण भौतिक प्रगति= 34.50%। संचयी प्रगति-भूमि अधिग्रहण =96.52% (1263.30/1308.80 हेक्टेयर)। भू-कार्य=83.18% (435.79/523.89 लाख क्यूबिक मीटर)। फॉर्मेशन=18.07% (13.2/73.04 कि.मी.) । बड़े पुल उपसंरचना = शून्य अधिसंरचना = शून्य। छोटे पुल=29.46% (33/112 अदद)। सुरंग कार्य = 34.43% (13531.60/39301 आर एम)। कट एवं कवर = शून्य। ट्रैक लिंकिंग=14.33% (12/83.70 कि.मी.)। संपूर्ण भौतिक प्रगति= 34.50%

बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों पर लिंक लाइनों सहित रेल-सह-सड़क पुल (73 कि.मी.):

दिसंबर, 2013 के दौरान उपलब्धियां- 889 एमटी स्टील प्लेट की कटिंग पूरी की गई। 7507 आर एम एड्ज प्रीप्रेशन पूरा किया गया। 49446 आर एम बिवेलिंग पूरा किया गया। गर्डर कंपोनेंट्स पर 12192 आर एम वेल्डिंग पूरा किया गया। (1205 एमटी) के 137 अदद कंपोनेंट्स का निरीक्षण एवं पास किया गया। संचयी प्रगति- नॉर्थ एवं साउथ गाइड बंड पूरा किया गया। चाउलखोवा-मोरानहाट रेल लिंक (44 कि.मी.) पूरा किया गया। नॉर्थ बैंक रेल लिंक (14 कि.मी.) पूरा किया गया। साउथ बैंक रेल लिंक (8 कि.मी.) पूरा किया गया।मुख्य पुल :उप संरचना का 90% कार्य पूरा किया गया। 42 वेल फाउंडेशन में से 36 वेल फाउंडेशनों एवं 28 अदद पीयर शॉफ्ट पूरा किया गया। गर्डर के फेब्रीकेशन का कार्य प्रगति पर है। फरवरी, 14 तक प्रथम गर्डर लांच होने की संभावना है। संपूर्ण भौतिक प्रगति= 72.80%

तेतेलिया-बरनीहाट नई लाइन (21.50 कि.मी.)

दिसंबर, 2013 के दौरान उपलब्धियां - 0.76 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य पूरा किया गया। संचयी प्रगति- भूमि अधिग्रहण=64.6% (102.21/158.21 हेक्टेयर)। भू-कार्य=1.96% (2.27/115.3 लाख क्यूबिक मीटर)। फॉर्मेशन= शून्य बड़े पुल उपसंरचना = शून्य अधिसंरचना = शून्य। छोटे पुल=22.7% (5/22 अदद) सुरंग= शून्य। ट्रैक लिंकिंग= शून्य। संपूर्ण भौतिक प्रगति= 11.16% भूमि अधिग्रहण की स्थिति: असम भू-भाग में (कुल लंबाई 19.2 कि.मी.) पट्टा भूमि (कुल लंबाई 11.5-82.323 हेक्टेयर) यद्यपि संपूर्ण पट्टा भूमि राज्य सरकार द्वारा रेलवे को सौंप दिया गया परन्तु केवल 3.5 कि.मी. लंबाई (15.45 हेक्टेयर) ही कार्य करने योग्य है तथा शेष 8 कि.मी. लंबाई (66.873 हेक्टेयर) पर स्वामित्व के लिए विवाद में है और जब तक राज्य सरकार के साथ उनके मुद्दों पर कोई हल नहीं निकलता है तब तक मालिक पक्ष इस पर कार्य करने की अनुमति नहीं देंगे। एक-एक कर राज्य सरकार इसको सुलझा रही है।

भैरवी -सैरंग (51.38 कि.मी.) तक नई लाइन

दिनांक 21-11-13 को पीसीसीएफ/आइजोल को वन भूमि के लिए भुगतान किया गया। 20.0कि.मी. भू-तकनीकी जाँच, 20.00 कि.मी. प्रतिरोधात्मक सर्वेक्षण भी पूरा किया गया। संरेखण के स्टैकिंग का कार्य पूरा किया गया। सेक्शन के 352.792 हेक्टेयर प्राइवेट जमीन भू-अधिग्रहण का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा चुका है। कोई सरकारी भूमि सम्मिलित नहीं है। दिनांक 03-09-13 को डीसी/आइजोल से सैरंग के अधीन भूमि प्राप्त हुई। 352.79 हेक्टेयर में से 152.16 हेक्टेयर प्राइवेट भूमि सौंपा गया है। 3 शेष एलए मामले में से 2 एलए मामले का भुगतान किया गया। एक मामले के लिए स्वीकृति प्रदान किया गया है परंतु निधि की कमी के कारण वर्ष 2014-15 में भुगतान किया जाएगा। दिनांक 26-07-13 को एमओईएफ, नई दिल्ली द्वारा 74.488 हेक्टेयर वन भूमि क्लीयर करने के प्रस्ताव को सिद्धांतत:

अनुमोदित किया गया। दिनांक 21-11-13 को वन भूमि (74.488 हेक्टेयर) के लिए भुगतान किया गया। एमओईएफ/नई दिल्ली अंतिम अनुमोदन प्राप्त करने की प्रतिक्षा है। भू-कार्य एवं छोटे पुलों के लिए सीएच 0.00 कि.मी. से सीएच 8.00 कि.मी. एवं सुरंगों (1, 2, 3, 4 एवं 5) का कार्य प्रदान किया गया है। सीएच 8.00 कि.मी. से सीएच 15.00 कि.मी. के लिए भू-कार्य एवं छोटे पुलों के निविदा प्रक्रियाधीन है।

बरनीहाट से शिलांग तक नई बीजी लाइन (108.4 कि.मी.)

दिनांक 11-08-2010 को पत्र संख्या टीपीटी 66/2004/28 के तहत मेघालय सरकार द्वारा अनुमोदित बरनीहाट से शिलांग तक का प्रारंभिक सर्वेक्षण। 18 कि. मी. लंबाई तक भू-योजना कार्य पूरा कर लिया गया तथा सेक्शन 4 (1) के अधीन अधिसूचना के लिए उपायुक्त / रिभोई को सौंप दिया गया। खासी स्टूडेंट यूनियन (केएसयू) द्वारा विरोध करने के कारण शेष भाग में फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य नवंबर, 10 तक स्थगित किया गया था।

दीमापुर-धनसिरि-सुखोबी-जुब्जा तक नई लाइन (91.75 कि.मी.)

दिनांक 26-04-13 को 2409.33 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन बोर्ड को सुपुर्द किया गया तथा संरेखण में बदलाव के कारण पुन:निर्धारित प्राक्कलन 16-07-13 को बोर्ड भेजा गया। असम में धनसिरि स्टेशन से भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू की गई है। नगालैंड भाग के लिए भूमि अधिग्रहण सर्वे शुरू किया गया। कोहिमा रेलवे रेस्ट हाऊस के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य शुरू किया गया है। जैविक पार्क से होकर संरेखण गुजरने के कारण स्थानीय लोगों के सख्त विरोध की वजह से राज्य सरकार के अनुरोध पर कि. मी. 4.0 और कि. मी. 7.0 के बीच संरेखण प्रतिस्थापित किया गया।

सेवक से रंगपो तक नई बड़ी लाइन: (44.39 कि.मी.)

कुल 3380.58 करोड़ रूपए का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृति के लिए दिनांक 30-12-09 को रेलवे बोर्ड में प्रस्तुत किया गया। दिनांक 03-12-2012 के रेलवे बोर्ड की नवीनतम टिप्पणी का अनुपालन किया गया तथा दिनांक 17-12-2012 को बोर्ड को भेज दिया गया। परियोजना निष्पादन के लिए मेसर्स इरकॉन को सौंपी गई है और इरकॉन के साथ दिनांक 07-05-10 को एमओयू हस्ताक्षर किया गया। कलिंगपोंग होते हुए तीस्ता नदी के पूर्व दिशा पर वैकल्पिक संरेखण को बेहत्तर विकल्प के रूप में माना जा सकता है। मेसर्स/इरकॉन ने संशोधित विस्तृत प्राक्कलन सौंपा जो मुख्यालय, मालीगांव में प्रक्रियाधीन है। संचयी प्रगति: सुरंग संख्या 1 के दोनों पोर्टल के लिए बोर होल ड्रीलिंग, मिट्टी परीक्षण और मिट्टी जांच का कार्य पूरा किया जा चुका है। भूकंपीय अपवर्तन और 2-डी प्रतिरोधकता सर्वेक्षण पूरा किया जा चुका है। भूमि अधिग्रहण की स्थिति: राजस्व भूमि (17.34 हेक्टेयर) : 4 मामले के लिए आवेदन पहले ही प्रस्तुत किया गया है।

कुमारघाट-अगरतला नई लाइन (109 कि.मी.)

कुमारघाट से मानु (20 कि.मी.)- दिनांक 27-12-2002 को चालू किया गया। मानु-अगरतला (89 कि.मी.)-कार्य पूरा किया गया। यह सेक्शन एमजी ट्रेन सेवा के लिए दिनांक 05-10-08 को चालू किया गया। इस सेक्शन का आमान परिवर्तन कार्य लमडिंग-सिलचर-बदरपुर-कुमारघाट आमान परिवर्तन परियोजना के पश्चात पूरा किया जाएगा।

जिरिबाम-तुपुल-ईम्फाल नई लाइन परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन सुरंगों का दृश्य तथा संबंधित मानचित्र

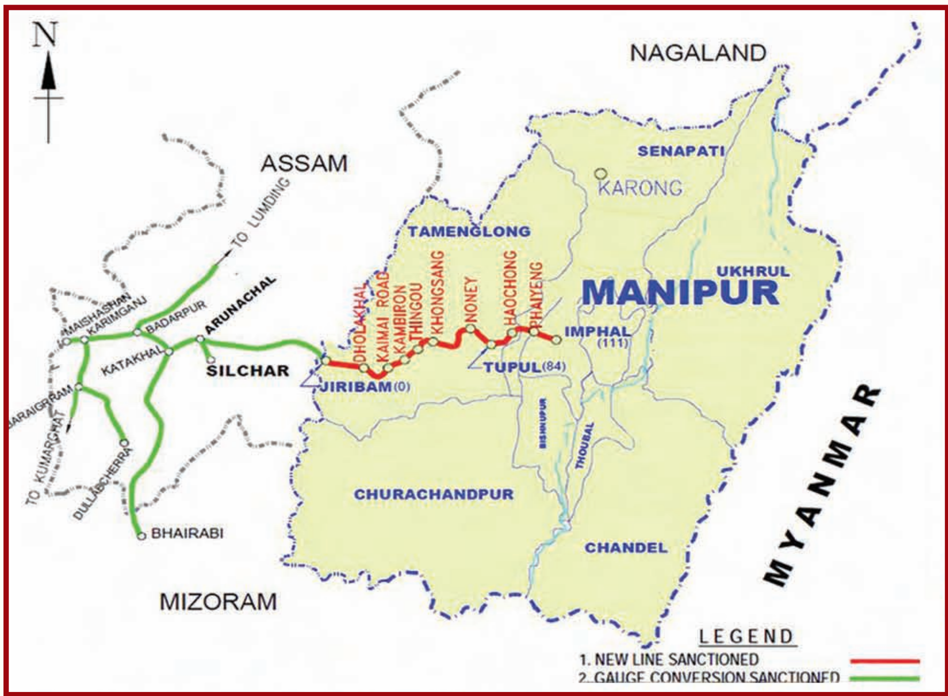

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

निर्माण संगठन में अक्तूबर तथा दिसंबर, 2013 में सेवानिवृत्त हुए अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किए गए। इन अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सेवानिवृत्त भुगतान संबंधी चैक तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए। निर्माण संगठन इन अधिकारियों/कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की कामना करता है।

क्रमांक	नाम	पदनाम	कार्यालय/विभाग	सेवानिवृत्ति माह
1	श्री मनीन्द्र चंद्र दास	वाहन चालक	उप मुंजी/नि/अगरतला	अक्तूबर,13
2	श्री प्रफुल्ल चंद्र दास	वाहन चालक	उप मुंजी/नि/एपीडीजे	अक्तूबर,13
3	मो: नाजीमुद्दीन शेख	व.ट्रैकमैन	उप मुंजी/नि/एपीडीजे	अक्तूबर,13
4	मो: तायमुल हक	व.ट्रैकमैन	उप मुंजी/नि/एनजेपी	अक्तूबर,13
5	श्री अपूर्व बनर्जी	लेखा सहायक	वि.स.व.मुलेधि/नि	दिसंबर,13
6	श्री आर.एस. भगत	जी/ऑपरेटर	उप मुंजी/नि/योजना	दिसंबर,13
7	श्री निर्मल कुमार पाल	रिकार्ड/सार्टर	उप मुंजी/नि/टी	दिसंबर,13
8	श्री शांति राम कलिता	व.ट्रैकमैन	उप मुंजी/नि/एनजेपी	दिसंबर,13
9	मो: सनमहमद अली	व.ट्रैकमैन	उप मुंजी/नि/सिलापथार	दिसंबर,13
10	श्री प्रीतिश बोस	काधी/नि	उप मुंजी/नि/मालीगांव	दिसंबर,13
11	श्री अमरित चंद्र कलिता	क.लिपिक	उप मु.सि.व दू.स.इंजी/नि/मालीगांव	दिसंबर,13
12	श्री मदन सेन	मुंजी/नि/2	महाप्रबंधक/नि/मालीगांव	दिसंबर,13
13	श्री विजय	ट्रैकमैन/नि	उप मुंजी/नि/मालदा	दिसंबर,13

कर्म ही पूजा है

कर्म ही पूजा है रोटी के लिए
करते हैं हम।
दबाव से लेकिन बिगड़ जाते हैं
अक्सर पूरे ही काम।

पूजा तो भक्ति है की जाती है
तन-मन एक कर
जैसे मां अपने बच्चों को
ममता से बांधे जीवनभर।
जरा सा ऐसा ही काम करना चाहिए
काम को भी ऐसी सोच लगे,
जैसे आप ही ने इसको पूरा किया
दौड़े और भागे।

भूल हो कामों में तो भी न करने से भला।
जिंदगी को तभी सीख मिले क्या भूल और क्या भला
न कर कभी ऐसा काम
परायों से मांगकर,
खुद अगर न कर सका तो
सौवार कर खासकर।

- दीपक विश्वास
स.वित्त सलाहकार/नि

मुट्ठी और हाथ की लकीरें

हाथ की लकीरें अमिट होती हैं
पर- होती तो हमारी मुट्ठी में ही है
मिटा नहीं सकते हम वजूद इनका
बना नहीं सकते कुछ नई लकीरें
मोड़ नहीं सकते हम- इनकी दिशाएं-
फिर भी- ये सारी लकीरें हमारी मुट्ठी में ही तो हैं।

मुट्ठी और रोशनी पानी की कुछ बूंदें

आकाश का कुछ हिस्सा
कभी सर्द या खुश्क हवाएं
कुछ भी हम बंद कर सकते हैं
मुट्ठी के अंदर
कभी किसी के जीवन को
मुट्ठी में कर लेने का
दम भी भर सकते हैं हम
कभी किसी के दिल को भी
मुट्ठी में कैद कर सकते हैं हम
पर एक चीज़ ऐसी भी है
जो मुट्ठी में कैद नहीं हो सकती-
प्रकाश, उजाला या रोशनी,
हर बार मुट्ठी बंद करने पर
जो बाहर ही रह जाती है

-अपर्णा त्रिपाठी
उप वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि/3/मालीगांव

बालीपाड़ा-भालुकपोंग फिंगर लाइन सहित रंगिया-मुर्कोंगसेलेक आमान परिवर्तन परियोजना के अंतर्गत नव निर्मित डेकारगांव स्टेशन